

Roll No.

Signature of Invigilator



Paper Code

BD 302

पतंजलि विश्वविद्यालय
University of Patanjali
Examination Dec. – 2017
B. A. Philosophy (Semester: Third)

वैशेषिक दर्शन - 1

Time: 3 Hours

Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है।
प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-अ

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं।
किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. वैशेषिक दर्शन के परिप्रेक्ष्य में धर्म सम्प्रदाय का सम्यक् उल्लेख कीजिए।
2. आत्मा क्या है? वैशेषिक दर्शन के आलोक में प्रमाणपूर्वक आत्मा की सिद्धि एवं इसके लक्षण समझाइये।
3. पदार्थ के रूप में गुण का वर्णन करें।
4. 'कर्म कर्मसाध्यं न विद्यते' सूत्र की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
5. वैशेषिक मतानुसार मोक्ष को परिभाषित करते हुए इसका स्वरूप बताइये।

खण्ड-ब

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (4×5=20)

1. वैशेषिक दर्शन में वर्णित कर्म पदार्थ पर प्रकाश डालिए।
2. विशेष क्या है? सामान्य और विशेष में सोदाहरण अन्तर स्पष्ट करें।
3. पृथ्वी का लक्षण (स्वरूप) और कार्य क्या है? स्पष्ट करें।
4. मन के अदृष्ट कर्मों का उल्लेख कीजिए।
5. चक्षु-इन्द्रिय से ग्रहीत गुण कौन-कौन से हैं?
6. 'तदनारम्भ आत्मस्थे मनसि शरीरस्य दुःखाभावः स योगः' सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।

खण्ड-स
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित है।
इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×0.5=05)

1. वायु में कितने गुण माने गए हैं -
(अ) 8 (ब) 9
(स) 14 (द) 11
2. समवाय सम्बन्ध है -
(अ) आकर्षिक (ब) अनिवार्य
(स) काल सापेक्ष (द) इनमें से कोई नहीं
3. अभ्युदय का अर्थ है -
(अ) भौतिक प्रगति (ब) आध्यात्मिक उन्नति
(स) अपवर्ग (द) उपर्युक्त सभी
4. वैशेषिक दर्शन में द्रव्य हैं -
(अ) चौबीस (ब) नौ
(स) सात (द) इनमें से कोई नहीं
5. कारण के प्रकार हैं -
(अ) पाँच (ब) चार
(स) तीन (द) इनमें से कोई नहीं
6. जल और जीवात्मा में क्रमशः गुणों की संख्या है -
(अ) 11, 14 (ब) 14, 11
(स) 14, 14 (द) इनमें से कोई नहीं
7. पदार्थ धर्म संग्रह के रचयिता हैं -
(अ) वाचस्पति मिश्र (ब) अन्नम् भट्ट
(स) प्रशस्तपाद (द) कणाद
8. जो अभिधेय और प्रमेय होता है, उसे कहते हैं -
(अ) प्रत्यक्ष (ब) धारणा
(स) पदार्थ (द) इनमें से कोई नहीं
9. गुण और कर्म का आश्रय है -
(अ) द्रव्य (ब) सामान्य
(स) समवाय (द) विशेष
10. सामान्य एक पदार्थ है -
(अ) अभाव (ब) भाव
(स) भावाभाव (द) इनमें से कोई नहीं

-----X-----